मानसश्री गोपाल राजू

पीली सरसों के कुछ सरल तांत्रिक उपाय

तांत्रिक प्रयोगों में अनेकों पदार्थ से मारण, मोहन, उच्चाटन तथा विद्वेषण आदि के अनेकों प्रयोग करे जाते हैं। यह अच्छे अथवा बुरे दोनों ही भावनाओं को लेकर हो सकते हैं। अनर्थ करने वाले प्रयोगों से सदैव अपने को बचाकर रखना ही बौद्धिकता है। क्योंकि अनर्थ करने वाला कभी न कभी फल अवश्य भोगता है अपने किये दुष्क्रर्म का। पीली सरसों का तंत्र में प्रायः प्रयोग किया जाता है। कुछ सरल से उपाय पीली सरसों के दे रहा हूँ। अपने बुद्धि और विवेक से सत्क्रर्मों में इनका सदुप्रयोग करें ।

1. पीली सरसों से 'ऊँ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे' मंत्र जपकर हवन करने से परिवार के सब दोष शांत होते हैं।

2. राहु के नक्षत्र में पीली सरसों अपने ऊपर से सात बार वारकर बहते हुए पानी में प्रवाह कर दें, राहु जनित दोषों का अन्त होगा।

3. सरसों के कुछ दाने प्रेतबाधा से पीड़ित व्यक्ति के ऊपर से वारकर जला दें, दुष्प्रभाव शांत होगा।

4. नमक के साथ सरसों मिलाकर हवन करें। सम्बन्धित व्यक्ति का नाम बोलते जाएँ, सात दिन में वह वशीभूत होगा।

5. सरसों यदि आक के दूध में मिलाकर हवन करते हैं तो शासन से लाभ मिलेगा।

6. मधु, नागरमोथा, गोघृत, चन्दन, गूगुल, अगर, शिलाजीत, सलई की धूप तथा गुड़ के साथ सरसों मिलाकर हवन करें, घर की समस्त बाधाएँ शांत होंगी और प्रसन्नता का वातावरण बनेगा।

7. छोटे-छोटे तीन बर्तनों में तिल, साबुत धनिया और साबुत नमक अलग-अलग भरकर अपने प्रतिष्ठान, कर्मस्थल, दुकान आदि में रख लें, कार्य, व्यापार में वृद्धि होने लगेगी।

8. नित्य पीली सरसों में भूत केशी, काले तिल, लौंग तथा गोघृत मिलाकर 51 आहुति 'ऊँ ह्रीं बटुक भैरवाय आपदुद्धारणाय कुरु कुरु स्वाहां' मंत्र जपकर अग्नि में आहुति दें, रोग, शोक तथा शत्रु का नाश होगा।

9. एक माला 'लं ह्रां लां ह्रीं लीं लः 'अमुकं' ठः ठः मंत्र जप करें। इसी मंत्र का दशांश हवन पीली सरसों सहित व्यक्ति का नाम बोलकर होम करें। अंत में हवन की राख व्यक्ति के घर में छिड़क दें, व्यक्ति आपके अनुकूल हो जाएगा।

10. सरसों के तेल का दीपक जलाकर बैठ जाएँ और 'ऊँ हौं जूं सः' मंत्र की एक माला जप करें। यह नियम चालीस दिन तक दोहराते रहें, यदि रोगों में किसी भी दवा का प्रभाव नहीं हो रहा है तो उसे उन्हीं दवाओं से लाभ होने लगेगा।

11. सरसों के तिल में मिश्री और चावल डाल दें और 'ऊँ सर्वमोहिन्यै' मंत्र का जप करें तो दूसरों को वश में करने की असीम शक्ति प्राप्त होने लगेगी।

12. शत्रु भय से पीड़ित हैं तो पीली सरसों और तेल के दीपक में हल्दी डालकर नित्य उसके सामने बैठकर 'ऊँ

बगलायै नमः' का जप किया करें।

www.bestastrologer4u.com